

TOPIC - Educational Programme

~~Advocacy~~ - for Locomotor disabled children

गति सम्बन्धी अक्षम / विकलांग दिव्यांग बालकों की शिक्षा दीक्षा के लिए कैसे प्रबंध किये जायें? क्या इन्हें सामान्य विद्यालय में ही शिक्षा दी जायें? या इनके लिए अंधे, बहिरं, या मानसिक विकार / मंदता के शिकार बालकों की तरह अलग से विशेष विद्यालयों की स्थापना की जायें? यह एक विचारणीय प्रश्न है। अगर सभी बातों पर विचार कर ध्यान से सोचा जायें तो मॉलपेशी और इच्छि दोषों से युक्त विकलांग, अक्षम बालकों में समायोजन और उचित विकास की दृष्टि से यह बात ही ज्यादा अच्छी रहती है कि उनके लिए अलग विशेष विद्यालयों की स्थापना न की जायें बल्कि सामान्य विद्यालयों में सामान्य बालकों के साथ ही इनकी अच्छी शिक्षा-दीक्षा का प्रबन्ध किया जाए। घर के सामान्य वातावरण में परिवार के अन्य बालकों तथा सदस्यों के बीच इन्हें समायोजित करने के प्रयत्न किये जायें। विशेष अनुग्रह या देखभाल की बात का इन्हें अनुभव न होने दिया जायें ताकि इनकी बेकार के घीन भावना का कुपोषण न हो। हाँ इनकी प्रदान किए जाने वाले अनुभवों एवं विद्याओं का विशेष रूप से इस प्रकार